केन्द्र संख्या की मुहर

केन्द्र व्यवस्थापक के हस्ताक्षर

नोट–केन्द्र के नाम की मुहर उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग पर न लगाएं।

नोट–परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग में अपना नाम व केन्द्र का नाम न लिखें।

'ब' उत्तरपुस्तिका की संख्या–

$ब_1$	$ब_2$	$ब_3$	$ब_4$

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक–

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायेगा–

अनुक्रमांक (अंकों में)–

अनुक्रमांक (शब्दों में)–

विषय– भूगोल

प्रश्नपत्र संकेतांक– 411 (ITS)

परीक्षा का दिन– शुक्रवार

परीक्षा तिथि– 29/02/24

कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाय–

केन्द्र संख्या–

परीक्षा कक्ष संख्या– 03

उपरोक्त सभी प्रविष्टियों की जाँच मेरे द्वारा सावधानीपूर्वक कर ली गयी है।

कक्ष निरीक्षक का नाम– Anupama

दिनांक– 29/2/24

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक–

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन समुचित प्रश्न–पत्र संकेतांक तथा मूल्यांकन निर्देशों के अनुसार किया है। प्राप्तांकों का मुखपृष्ठ पर अग्रसारण कर प्राप्तांकों एवं प्राप्तांकों के योग का मिलान कर लिया गया है। एवार्ड ब्लैंक में प्राप्तांकों की अंकना कर उनका पुनः मिलान भी कर लिया है। किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए मैं उत्तरदायी रहूँगा/रहूँगी।

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या.....

1. अंकेक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या.....

2. अंकेक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या.....

सन्निरीक्षा प्रयोगार्थ

सन्निरीक्षा पूर्व अंक– NC

सन्निरीक्षा पश्चात् अंक–

त्रुटि का प्रकार–

दिनांक– 23.04.24

हस्ताक्षर निरीक्षक–

परीक्षक, निम्न तालिका में प्रत्येक प्रश्न तथा उसके खण्डों के प्राप्तांकों का विवरण यथास्थान भरें।

प्रश्न संख्या	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	योग
01											
02											
03											
04											
05											
06											
07											
08											
09											
10											
11											
12											
13											
14											
15											
16											
17											
18											
19											
20											
21											
22											
23											
24											
25											
26											
27											
28											
29											
30											
31											
32											
33											
34											
35											

योग (शब्दों में)..... योग (अंकों में)

निम्न मे से (iii) "दक्षिण-पूर्वी एशिया" विरल जनसंख्या वाला क्षेत्र नही है ।

(ख)

फूलो की कृषि : (iv) "पुष्पोत्पादन" कहलाती है ।

(ग)

चैनल-टनल (iii) "पेरिस - लन्दन"

(घ)

वर्ष २०११ की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या iv 121 करोड़ है ।

(ङ)

खनन नगर : (iv) रानीगंज ।

(च)

शुष्क कृषि मे (iv) "चान्ना" फसल नही बोई जाती है ।

(छ)

भूरा हीरा : लिगनाइट

(ज)

स्थलबद्ध पोताश्रय : "विशाखापट्टनम" ।

(झ)

अभिकथन (A) : अतिसार जल-जन्य रोग है ।
कारण (R) : जल प्रदूषण से आहारनाल और पेट सम्बन्धी रोग होते
उ० (ii) A और R दोनो सही से किन्तु R, A की
सही व्याख्या नही करता है ।

अभिकथन (A) ः भारत मे नगरो की जनसंख्या मे वृद्धि होरही
कारण (R) ः रोजगार की ~~तलाश~~ कमी से
ग्रामीण क्षेत्र के लोग रोजगार की तलाश मे नगरो
मे जाते है।

उ० A तथा R दोनों सही है R, A की सही
व्याख्या करता है।

प्र० स० 2 (उ०)

~~मानव भूगोल के दो क्षेत्र ः (ई), ऐतिहासिक भूगोल~~

मानव भूगोल के दो क्षेत्र निम्नलिखित है।
(i) भौतिक पर्यावरण (ii) मानवीय अभिव्यंजना
(iii) (ऐतिहासिक भूगोल), (iv) (राजनैतिक भूगोल)

उ० स० 3

लाल सागर एवं भूमध्य सागर को
जोड़ने वाली नहर का नाम "स्वेज नहर" है।
इस नहर का निर्माण इंजीनियर "लिप्सेस"
द्वारा कराया गया।

उत्तर स० 4

2011 की जनगणना के अनुसार "उत्तर प्रदेश"
की जनसंख्या सर्वाधिक है।

उत्तर - स० 5

भारत मे पहला रेडियो कार्यक्रम सन् 1923
मे किया गया।

मानव भूगोल:- मानव भूगोल, भूगोल की एक प्रमुख शाखा है जिसका अन्तर्केन्द्र मानव तथा पर्यावरण के बीच क्रियाओ का अध्ययन किया जाता है।

(i) "**फ्रेड्रिख रैटजैल के अनुसार**:- "मानव भूगोल, मानव समाजो व धरातल के बीच सम्बन्धो का संश्लेषित अध्ययन है।"

(ii) **एलन० सी० सेम्पल के अनुसार**:- "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील सम्बन्धो का अध्ययन है।"

प्रश्न स० 7 (उ०)

जनसंख्या परिवर्तन के तीन मुख्य घटक है, जो निम्नवत है।

(i) जन्म-दर
(ii) मृत्यु दर
(iii) प्रवास

(i) **जन्म-दर**:- प्रतिहजार व्यक्तियो में जीवित जन्म लेने वाले लोगो की संख्या को जन्म-दर कहते है। यदि किसी क्षेत्र मे जन्म-दर अधिक है तो वहाँ की जनसंख्या मे वृद्धि होगी तथा इसके विपरीत मृत्यु-दर कम होगी तो उस क्षेत्र की जनसंख्या मे वृद्धि होगी,

(ii) **प्रवास**:- जनसंख्या परिवर्तन एक मुख्य घटक प्रवास भी है। जिस स्थान से प्रवास होता है वहाँ जनसंख्या में कमी तथा जहाँ के लिए प्रवास होता है वहाँ वृद्धि

उत्तर सं० 8

मानव विकास के चार प्रमुख घटक निम्न है।

(i) समानता
(ii) उत्पादकता
(iii) सतत - पोषणीयता
(iv) सशक्तिकरण

(i) समानता : मानव विकास मे समानता से आशय है कि बिना किसी जाति, लिंग, भेदभाव के सभी को विकास करने का अधिकार प्राप्त हो।

(ii) सतत पोषणीयता : सतत पोषणीयता मानव विकास का एक प्रमुख घटक है। जिसमे वर्तमान समय मे संसाधनो का इस प्रकार से उपयोग करने से है। जिसमे भविष्य मे आने ~~व~~ वाली पीढ़ी प्रभावित न हो।

प्रश्न सं० 9 (उ०)

गैरिसन नगर : गैरिसन नगर वे नगर होते है। जिनका विकास सैन्य छावनीयो के रुप मे होता है। भारत मे गैरिसन नगर जैसे : अम्बाला, महू, ~~लैंस~~ लैंसडाउन, महू, मेरठ आदि गैरिसन नगर है।

गैरिसन नगरो का कार्य सैन्य-प्रशिक्षण देना होता है।

इनका विकास सैन्य छावनीयो के रुप मे होता है।

मैट्रो-रेल :- मैट्रो रेल एक महत्वपूर्ण "बिजली से चालित एक प्रमुख साधन है। मैट्रो रेल का एक विशेष महत्व है। मैट्रो रेल की यह विशेषता है कि इससे "प्रदूषण नही होता है। यह एक भूमिगत रेल सेवा है। मैट्रो रेल से हम अत्याधिक कम समय मे आवागमन कर सकते है। मैट्रो-रेल मे सुरक्षा का अधिक ध्यान दिया जाता है।

प्रश्न सं॰ 11 (उ०)

मानव विकास सूचकांक :- से आशय है कि किसी भी देश मे हो रहे विकास के आंकलन से है। जिसमे स्वास्थ्य, शिक्षा, संसाधनो तक पँहुच जैसे क्षेत्रो का निष्पादन करके देशो का क्रम प्रदान किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम प्रतिवर्ष 1990 से मानव विकास सूचकांक रिपोर्ट प्रकाशित करता आया है।

महत्व :-

(i) मानव विकास सूचकांक का एक विशेष महत्व है कि जो देश अभी विकासशील है वे देश विकसित होने के पथ मे अग्रसर होंगे वे अपने देश मे "समानता, उत्पादकता, सशक्तिकरण, सतत् पोषणीयता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

(ii) मानव विकास सूचकांक यह ज्ञात करने मे सहायक होता है कि कौन देश अपने देश के निवासियो को सुविधाएँ दे रहा है।

प्रश्न सं॰ (12) (उ०)

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में "विश्व व्यापार संगठन" W.T.O की भूमिका :

W.T.O (विश्व व्यापार संगठन) G.A.T.T का उत्तराधिकारी है जिसकी स्थापन 1995 मे हुई इसका मुख्यालय स्विट्ज़रलैण्ड के जिनेवा मे स्थित है। अन्तर्राष्ट्रीयं व्यापार में विश्व व्यापार की एक अहम भूमिका है। यह एकमात्र (i) ऐसा संगठन है जो वैश्विक ~~स्थिति~~ नि० व्यापार में को नियन्त्रित करती है।

(ii) कभी दो देशो के मध्य कभी व्यापार मे विवाद की स्थिति होती है तो उनका निपटान करने मे महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है।

(iii) यह एकमात्र ऐसा संगठन है जो व्यापार के साथ-साथ पर्यावरण मुद्दो पर भी गम्भीरता से लेता है।

(iv) विश्व व्यापार संगठन दो देशो के मध्य सीमा शुल्क : व व्यापार शुल्क: मे विवाद की स्थिति में विवादो पर समझौता करता है।

प्रश्न सं॰ 13 (उ०)

उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग : उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग वे उद्योग होते है, जो उन्नत वैज्ञानिक तकनीको व इंजीनियर उत्पादो से सम्बन्धित होता है। इस प्रकार के उद्योगो मे लगा श्रमिको का अधिकतर भाग "सफेद कॉलर" के रूप मे विकसित हुए है। ये

शेष उ०. अगले पृष्ठ पर

प्रकार के उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग में कुछ विशिष्ट कार्य किए जाते है जैसे:- मानव यंत्र बनाना, लौह की धातुओ को पिघलाना, हस्तशिल्पकार आदि जैसे कार्य किए जाते है।
उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग का उत्तम उदाहरण:- सिलिकॉन की घाटी है। ये प्रादेशिक संकेन्द्रित होते है। उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग महानगरीय परिधियों के आस-पास ही संकेन्द्रित होते है इसका मुख्य कारण यह है जब सरकार द्वारा इन महानगरीय क्षेत्रों में कारखाने स्थापित करने के लिए प्रतिबन्ध लगा दिया जाता है।

प्रश्न· स·(14)(उ०)

भारत मे जनसंख्या वितरण से अभिप्राय है जनसंख्या के फैलाव से है। भारत मे जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारको को दो प्रमुख भागो मे वर्गीकृत किया जा सकता है।

(i) भौतिक कारक
- धरातलीय संरचना
- जलवायु
  - वर्षा
  - तापमान
- जलापूर्ति
- उपजाऊ भूमि
- ~~उपज~~ कटा-फटातट। आदि

(ii) मानवीय कारक
- नगरीकरण
- धार्मिक नगर
- पर्यटन नगर
- मनोरंजन नगर
- राजनैतिक स्थिरता आदि।

शेष उ० अगले पृष्ठ पर →

(i) धरातलीय स्वरूप

द्वारा उबड़-खाबड़ भूमि की अपेक्षा समतल भूमि को अधिक वारीयता प्रदान की जाती है। जैसेः भारत के उत्तरी-पूर्वी भाग मे जनसंख्या अधिक इसका मुख्य कारण यही है।

(ii) **जलवायुः** किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या को प्रभावित करने मे जलवायु एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। जैसेः भारत मे जनसंख्या का संकेन्द्रण गंगा के जलोढ़ उपजाउ भूभागो मे है। इसका मुख्य कारण यही है। लोग अच्छी जलवायु मे रहने को वारीयता प्रदान करते है।

मानवीय कारकः

(i) **धार्मिक क्षेत्र व पर्यटन क्षेत्रः** भारत के अनेक राज्य ऐसे है जो धार्मिक व पर्यटन है जिस कारण वहाँ की जनसंख्या प्रभावित होती है। जैसे भारत मेः बाणारसी, इलाहबाद, पाटलिपुत्र, हरिद्वार आदि। मे जनसंख्या अधिक है।

(ii) लोगो के द्वारा पर्यटन क्षेत्र तथा मनोरंजन क्षेत्रो मे रहने के लिए वारीयता देते है क्योकि यहा उन्हे पूर्ण रोजगार प्राप्त हो जाता है।

रोल नं.
Roll No.

2024

411 (ITS)

प्रश्न संख्या 21 (क) के लिए
[For Q. No. 21 (a)]

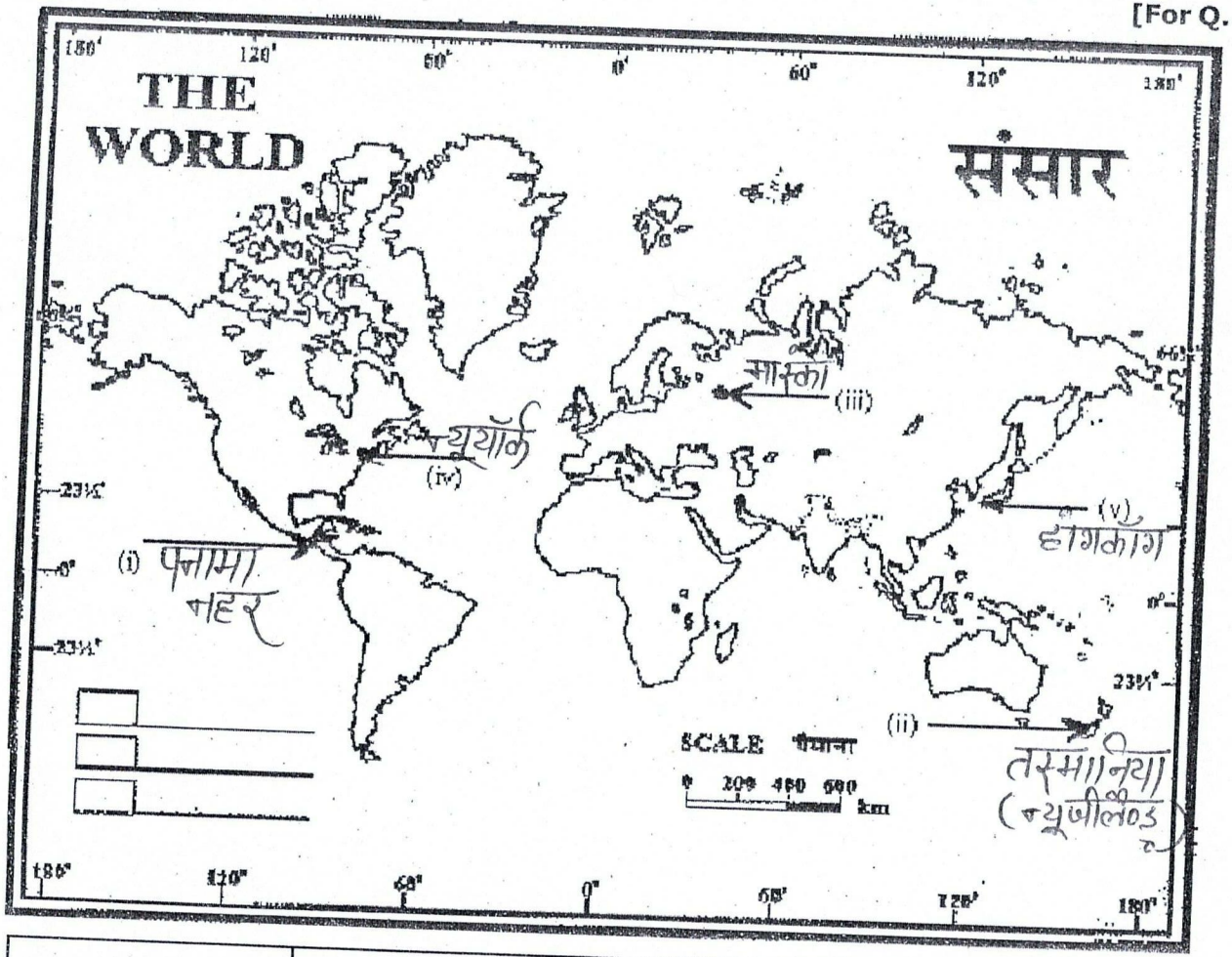

केवल परीक्षकों के लिए (For Examiners Only)	प्रश्न संख्या 21 (क) Q. No. 21 (a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	योग (Total)
	प्रदत्त अंक (Marks Provided)						

रोल नं.
Roll No.

प्रश्न संख्या 21 (ख) के लिए
[For Q. No. 21 (b)]

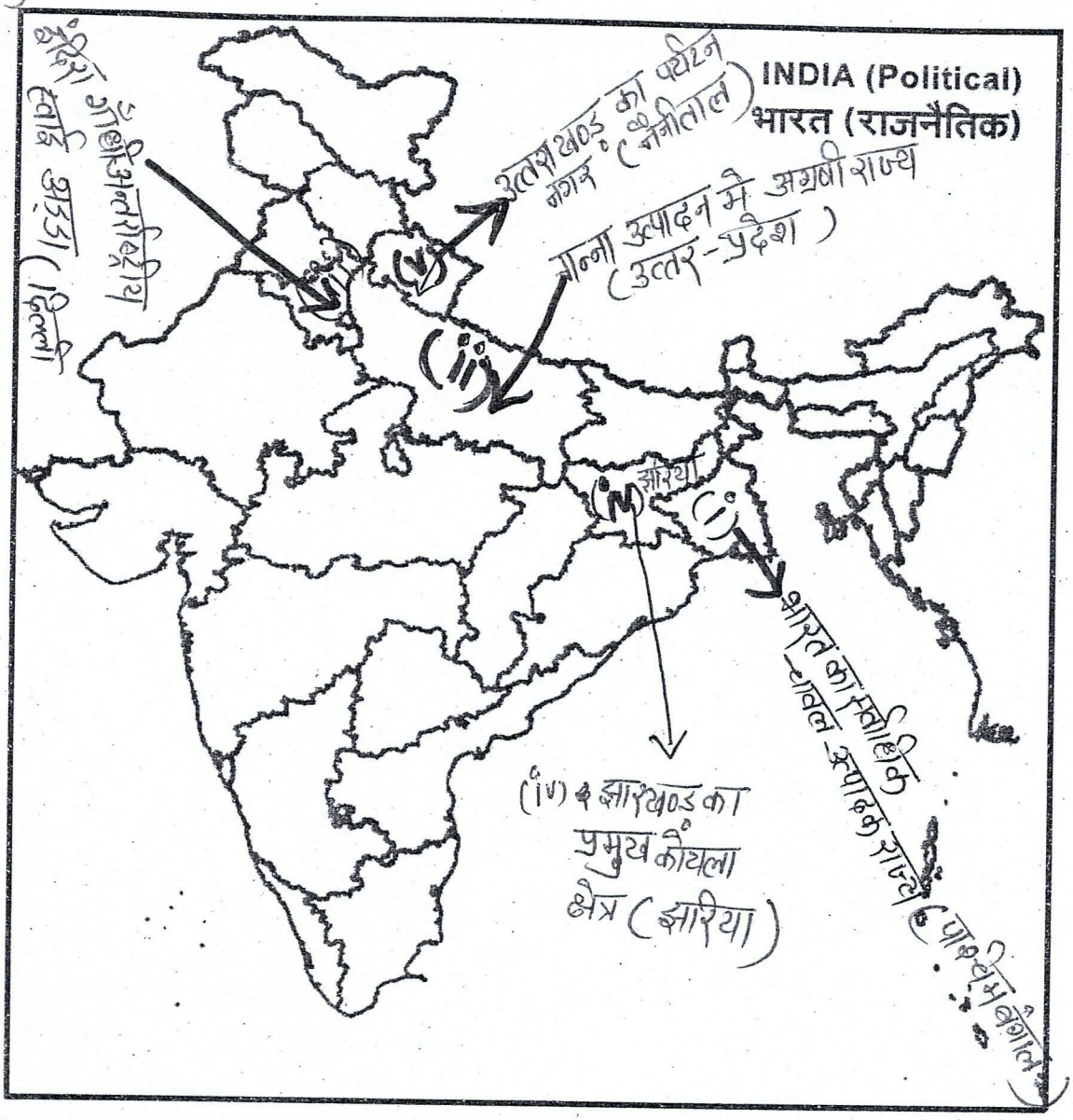

केवल परीक्षकों के लिए (For Examiners Only)	प्रश्न संख्या 21 (ख) Q. No. 21 (b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	योग (Total)
	प्रदत्त अंक (Marks Provided)						

भारत में सड़कों को मुख्य रूप से चार मुख्य
शेष उ० अगले पृष्ठ

उपरोक्त तालिका से पंजाब राज्य (36.9%) गेहूँ का प्रति हेक्टेयर सर्वाधिक उत्पादन करता है। इसका मुख्य कारण यह है कि गेहूँ के लिए उत्तम जलवायु उष्णार्द्र जलवायु है। तथा यहा गन्ना उत्पादन के लिए सभी भौगोलिक परिस्थितियाँ अनुकूल है। यही कारण है कि पंजाब मे गेहूँ उत्पादन सर्वाधिक है। यहा सिंचाई के नलकूप, कुँओ 71.6% सिंचाई इन्ही साधनो के द्वारा की जाती है।

(ii) उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि "कर्नाटक राज्य में (6.9%) गेहूँ का न्यूनतम प्रति हेक्टेयर उत्पादन करता है। इसका मुख्य कारण यह है यहाँ गेहूँ उत्पादन करने के लिए अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियाँ नही यहाँ न तो अधिक सिंचाई के साधन है और न उत्तम जलवायु है।

प्रश्न सं. 16 (उ०)

सड़क परिवहन के बिना कोई भी देश प्रगति नही कर सकता। जिस देश मे सड़क यातायात का अभाव होता है वह देश उन्नति नही कर सकता। भारत मे सड़को जालो की कुल लम्बाई 3.2 लाख वर्ग कि॰मी थी। जो अमेरिका के सड़क जालो मे ५ गुना कम है।

भारत मे सड़को को मुख्य रूप से ~~~~ चार मुख्य

शेष उ० अगले पृष्ठ

वर्गीकृत किया गया है -

(i) राष्ट्रीय राजमार्ग :- वर्तमान समय मे भारत मे राष्ट्रीय राजमार्गो की कुल सं० 64 है। जिनकी कुल लम्बाई लगभग 96,8,74 वर्ग किमी है। इस प्रकार की सड़को का रख-रखाव का कार्य केन्द्र सरकार का होता है। यह नगरो, गाँवो, कस्बो को महानगरो से जोड़ती है।

(ii) राज्य मार्ग :- राज्य मार्गो के रख-रखाव का कार्य राज्य सरकार के पास होता है। वर्तमान समय मे भारत मे राज्य-मार्गो की लम्बाई लगभग 1,46,980 कि०मी है।

(iii) जिला सड़क :- जिले की सड़क गाँवो को जोड़ती है। वर्तमान समय मे जिला सड़को की संख्या 34 लाख कि०मी है। यह गाँवो को तहसील, नगर-निगम, नगर-पालिकाओ को जोड़ती है।

(iv) ग्रामीण सड़के :- ये कच्चे मार्ग वाली सड़क होते है। भारत मे वर्तमान समय मे इनकी कुल लं० 24 लाख कि०मी है। ये गाँवो को जोड़ती है।

वायु प्रदूषण :- जब पर्यावरण वायुमण्डल में आवांछनीय व आवांछीय कण मिलकर वायु को प्रदूषित करते हैं तो उससे वायु प्रदूषण होता है। इससे वायु की गुणवत्ता का ह्रास होता है।

भारत में वायु प्रदूषण के कारण :-

(i) **उद्योग धंधो से निकलता धुआँ :-** वर्तमान समय मे वायु प्रदूषण का मुख्य कारण उद्योगो धंधो से निकलता हुआ धुआँ है। ~~उद्योगो~~ उद्योग धन्धो से हानिकारक गैस आदि जैसी गैस का उत्सर्जन CO_2, NO_2 होता है। जिस कारण ये गैसो का वायु मे मिश्रण हो जाता है।

(ii) **परिवहन के साधनो का अधिक उपयोग :-** वर्तमान समय मे यातायात के साधनो से ~~प्रदूषण~~ 30% से 40% वायु प्रदूषण होता जा रहा है।

प्रभाव :- वायु प्रदूषण का एक मुख्य प्रभाव यह है कि इससे अम्ल वर्षा हो रही है। क्योकि वायु मे NO_2 तथा CO_2 की मात्रा बढ़ रही है और यह वर्षा के साथ ~~मिलकर~~ मिल जाते है। अम्ल वर्षा से भारत के ऐतिहासिक जैसे :- ताजमहल आदि को अधिक नुकसान पहुँच रहा है।

रोपण कृषि :- जब किसी एक कृषि क्षेत्र में फसलों को रोपकर उत्पादन प्राप्त किया जाता है तो उसे "रोपण कृषि" कहते हैं। इस प्रकार की कृषि में फसल का संकेन्द्रण केवल एक ही फसल होता है।

रोपण कृषि के ~~प्रकार कुछ~~ फसल कुछ इस प्रकार हैं (i) चावल (ii) गन्ना (iii) कला (iv) चाय (iv) नारियल (v) कहवा (vi) रबड़ आदि।

मुख्य क्षेत्र :- इण्डोनेशिया (जावा, सुमात्रा, श्रीलंका (चाय), ब्राजील (गन्ना, कहवा) भारत (चाय), मलेशिया थाइलैण्ड (रबड़), थाइलैण्ड का तालासारिम बेसीन कुछ विश्व के 34% रबड़ का उत्पादन करता है।

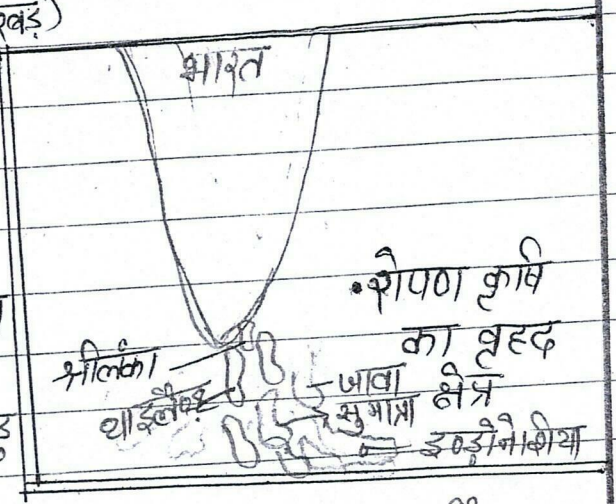

चाय एक रोपण कृषि की फसल है जिसका मुख्य उत्पादक ~~क्षेत्र~~ देश (श्रीलंका) है। ब्राजील देश में सर्वाधिक (कहवा तथा गन्ना) का उत्पादन करता है। भारत चाय तथा चावल ~~का~~ उत्पादन में अग्रणी राज्य है।

विश्व में रोपण कृषि का एक प्रमुख क्षेत्र दक्षिणी-एशियाई के देश जावा, सुमात्रा, इण्डोनेशिया, थाइलैण्ड आदि देश रोपण कृषि के अग्रणी देश हैं।

शेष अगले पृष्ठ पर

* विशेषताएँ :-

(i) रोपण कृषि मे फसल को उगाने के लिए एक कृषि क्षेत्र मे जल भर दिया जाता है। तब किसी रोपण कृषि की फसल को रोपकर कृषि की जाती है तथा उत्पादन किया जाता है।

(ii) रोपण कृषि उन्नत वैज्ञानिक तकनीको, तथा विस्तृत क्षेत्र मे यह कृषि की जाती है।

(iii) रोपण कृषि में कृषि क्षेत्र आधिक विस्तृत होता है। इस प्रकार की कृषि मे कई वर्षो तक उत्पादन प्राप्त किया जाता है।

(iv) रोपण कृषि मुख्यतः समशीतोष्ण जलवायु वाली देशो के कृषको द्वारा आधिक कि जाती है।

(v) रोपण कृषि एकमात्र एक ऐसी कृषि है। जिसमे कई वर्षो तक एक कृषि क्षेत्र मे उत्पादन प्राप्त किया जाता है।

(vi) इस प्रकार की कृषि मे आधिक श्रम-शक्ति अर्द्धकुशल तथा कुशल श्रमिको के द्वारा भी किया जा सकता एंव उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

उपर्युक्त सभी रोपण कृषि के क्षेत्र एंव रोपण कृषि की विशेषताएं है।

प्रश्न सं॰ 11 (अ)

पार- साइबेरियन रेलमार्ग

पार साइबेरियन रेलमार्ग विश्व का एंव एशीया का एक महत्वपूर्ण रेलमार्ग है जो रुस की राजधानी मास्को से होते हुए पूर्वी मे ब्लाड़ीवोस्टक को जोड़ता है। इस रेलमार्ग की कुल ~~लं०~~ लगभग 9,322 किलोमीटर। इस रेलमार्ग पर आधीक यातायात का दबाव पड़ने से इसके सामान्तर ही लेनिनग्राद से चीन मे ~~बि०~~ बीजिंग तक एक मार्ग बनाया गया है। पार साइबेरियन रेलमार्ग के बनने से पूर्व जहाँ यूरोप या एशीया के देशो मे जाने के लिए जहाँ 45 महीने का समय लगता था किन्तु इस रेलमार्ग के बन जाने से यह समय घटकर 10 दिन हो गया है। पार- साइबेरियन रेलमार्ग पर मास्को, ओंगास्क, ओमस्क, इर्कुटस्क, बर्खीयार्स्क नोवोसीबिर्स्क, खबोरोवस्के, ओमान जैसे प्रमुख पत्तन स्थित है।

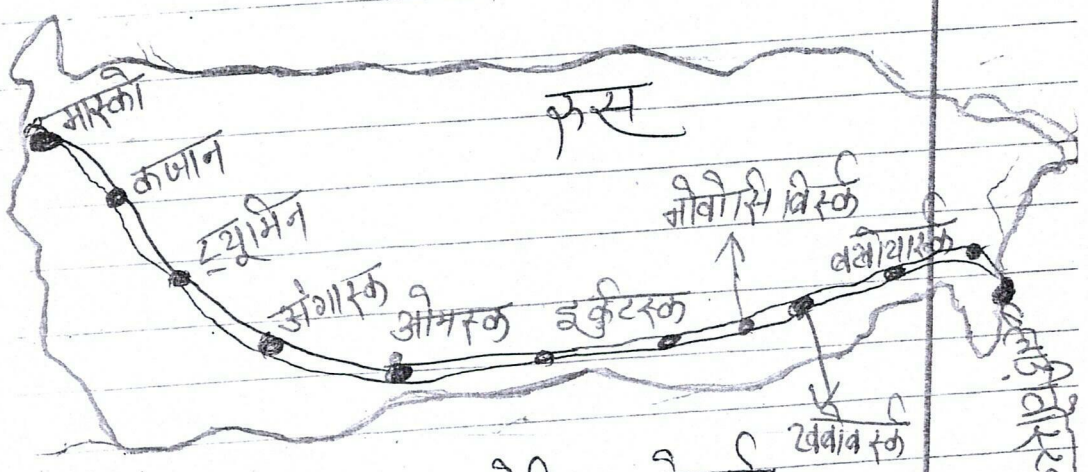

ट्रांस- साइबेरियन रेलमार्ग

पार-कैनेडियन ः पान कैनेडियन रेलमार्ग कनाड़ा का एक प्रमुख रेलमार्ग है जो पाश्चिम में वैंकूवर को पूर्व मे हैलीफैक्स से जोड़ती है। पार-कैनेडियन रेलमार्ग की लं० 7080 किलोमीटर है। पार कैनेडियन रेलमार्ग के बन जाने से ~~इस~~ इस मार्ग ने दूरी को कम कर दिया है। ~~इसके~~ इस रेलमार्ग मे प्रमुख पत्तन ः प्रिंटरूपर, फ्रैंकवर्ट, नवीनिपैग, विनीपैग, वैंकूवर, हैलीफैक्स ~~आदि~~ कलगुर्ली आदि महत्वपूर्ण पत्तन है।

प्रश्न सं. 20 (उ) (क)

भरमौर जनजातीय क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के चम्बा की दो तहसीलो भरमौर व होली मे स्थित है।

(ख)

समन्वित ~~ख~~ विकास परियोजना का महत्वपूर्ण योगदान विद्यालयो, जन-स्वास्थ्य सुविधाओ, पेयजल सड़क, संचार और विद्युत तथा सिंचाई क्षेत्रो में महत्वपूर्ण योगदान ~~दे~~ रहा है।

(ग)

जनजातीय विकास कार्यक्रम से 'गद्दी' जनजाति को लाभ पहुंचा है। वे सामाजिक लाभ कुछ इस प्रकार से है वहाँ इस कार्यक्रम के लागू होने से महिला साक्षरता दर मे वृद्धि, लिंगनुपात मे ~~कमी~~ कमी तथा यहाँ सन् 1971 मे महिला साक्षरता दर 1.83% थी जो अब 53.15% हो गई है।

2,43,41,620